Name : ....

Roll No. : ....

कुल प्रश्नों की संख्या : 14]

[कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 7

T-222010–C

विषय : हिन्दी

समय : 3 घण्टे]

[पूर्णांक : 80

निर्देश : (*i*) **सभी** प्रश्न हल करना अनिवार्य है।

(*ii*) प्रश्न–पत्र के प्रश्नों को तीन खण्डों—'क', 'ख' और 'ग' में विभक्त किया गया है।

(*iii*) खण्ड-'क' में 2 प्रश्न हैं, जिसमें 16 अंक निर्धारित हैं।

(*iv*) खण्ड-'ख' में 5 प्रश्न हैं, जिसके 4 प्रश्नों में विकल्प दिए गए हैं। इस खण्ड में कुल 20 अंक निर्धारित हैं।

(*v*) खण्ड-'ग' के आरोह भाग में 32 अंक निर्धारित हैं।

(*vi*) खण्ड-'ग' के वितान भाग में 12 अंक निर्धारित हैं।

खण्ड-'क'

प्रश्न-1 अधोलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

आज हमें विनम्रतापूर्वक स्वीकार करना होगा कि आलोचना से कोई भी मनुष्य बच नहीं सकता है। जो मनुष्य जितना बड़ा होता है उसकी आलोचनाएँ भी उतनी बड़ी होती हैं। इसलिए आलोचना से घबराकर धैर्य नहीं खोना चाहिए। अपने द्वारा व्यक्त प्रतिक्रिया पर ही हमारा सम्मान, भावनात्मकता दृढ़ता और प्रसन्नता निर्भर करती है। आलोचना दो प्रकार की होती हैं—रचनात्मक व विध्वंसात्मक। प्रत्येक मनुष्य को जीवन में किसी-न-किसी समय आलोचना का शिकार होना ही पड़ता है। आलोचना सम्मान पर प्रत्यक्ष हमला करती है इसलिए क्रोध आना भी स्वाभाविक है।

आलोचना को कभी शत्रु नहीं मानना चाहिए क्योंकि दूसरा व्यक्ति बदनाम करने के लिए लांछन लगा रहा है। ऐसा सदैव नहीं होता है। भ्रम भी कारण हो सकता है। घटना का सही रूप से उद्देश्य न समझ पाने के कारण लोग यही अनुमान लगा लेते हैं कि शत्रु द्वारा ऐसा कहा जा रहा है, जबकि उसकी भूल इतनी-सी होती है कि कारण को समझे बिना किसी बात का मनगढ़ंत मतलब लगा लेगा। निंदा करने वालों का इसमें घाटा ही रहता है।

झूठी निंदा बड़ी बुरी मानी जाती है फिर विद्वेष उसका कारण माना जाता है। निंदा सुनकर क्रोध आना और बुरा लगना स्वाभाविक है क्योंकि इससे स्वयं के स्वाभिमान को चोट लगती है, पर समझदार लोगों के लिए उचित है कि ऐसे अवसरों पर संयम से काम लें, आवेश में आकर विग्रह खड़े न करना ही उचित है। यदि बात सुनी सुनाई है, तो अवसर पाकर उन्हीं से पूछ लेना चाहिए कि उसमें इस प्रकार गलतफहमी क्यों उत्पन्न हुई। आलोचना की गई बातों को सत्यता की कसौटी पर कसें। अटपटे व्यवहार भी कई बार दोष-दुर्गुण जैसे खतरनाक होते हैं।

(*i*) आलोचना का क्या अर्थ है ? [2]

(*ii*) अपनी आलोचना सुनकर हमें कैसा व्यवहार करना चाहिए ? [2]

(*iii*) रचनात्मक व विध्वंसात्मक आलोचना क्या है ? [2]

(*iv*) आलोचना को शत्रु क्यों नहीं मानना चाहिए ? [2]

(v) आलोचना सुनकर हमारी क्या प्रतिक्रिया होती है ? [2]

(vi) 'स्वाभिमान' का संधि विच्छेद कर, प्रकार का नाम लिखिए। [1]

(vii) 'स्वाभाविक' में प्रत्यय एवं 'संयम' में उपसर्ग पहचानकर लिखिए। [½+½=1]

प्रश्न-2 अधोलिखित अपठित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

"गिरि का गौरव गाकर झर-झर
मद में नस-नस उत्तेजित कर
मोती की लड़ियों-से सुन्दर
झरते हैं झाग भरे निर्झर!
गिरिवर के उर से उठ-उठ कर
उच्चाकांक्षाओं से तरुवर
हैं झाँक रहे नीरव नभ पर
अनिमेष, अटल, कुछ चिन्ता पर!
उड़ गया, अचानक लो, भूधर
फड़का अपार वारिद के पर!
रव-शेष रह गये हैं निर्झर!
है टूट पड़ा भू-पर अम्बर!"

(i) किन पंखों को फड़काकर पर्वत कहीं उड़ गया है ? [1]

(ii) तरुवर कैसे लगे रहे हैं ? [1]

(iii) विशाल पर्वत का गौरव-गान कौन कर रहे हैं ? [1]

(iv) 'अनिमेष'—इस शब्द के दो पर्यायवाची लिखिए। [1]

खण्ड-'ख'

प्रश्न-3 निम्नलिखित में से किसी एक शीर्षक पर लगभग 200 शब्दों में निबंध लिखिए : [1+3+1=5]

(क) सेल्फी का बढ़ता बुखार

(ख) सीमेंट के जंगलों में भटकी दुनिया

(ग) परहित सरिस धरम नहिं भाई

(घ) नारी सशक्तीकरण

प्रश्न-4 कोरोना के बढ़ते प्रकोप से बचाव हेतु टीकाकरण की अनिवार्यता पर स्वास्थ्य मंत्री को एक पत्र लिखिए। [1+3+1=5]

अथवा

अमानक व अव्यवस्थित सड़क निर्माण से हो रही दुर्घटनाओं पर ध्यानाकर्षण कराते हुए दैनिक समाचार-पत्र के संपादक को एक पत्र लिखिए।

प्रश्न-5 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए : [1+1+1+1=4]

(क) डेड लाइन क्या है ?

(ख) डेस्क से क्या तात्पर्य है ?

(ग) अंत: वैयक्तिक संचार किसे कहते हैं ?

(घ) समाचार के प्रमुख तत्वों के नाम लिखिए।

प्रश्न-6 को-वैक्सीन टीकाकरण कक्ष में एक आम जनता और टीकाकरण टीम के बीच बातचीत के एक नमूने पर आधारित तीन तीन संवाद लिखिए। [3]

अथवा

कविता-रचना में किन विशिष्ट तत्त्वों का समावेश आवश्यक है (कोई **तीन**) ?

प्रश्न-7 'बदलती जीवन-शैली' पर एक आलेख लिखिए। [3]

अथवा

पत्रकारिता के विविध आयामों में से किन्हीं तीन आयामों को समझाइए।

खण्ड-'ग'

प्रश्न-8 निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखिए :

सचमुच मुझे दंड दो कि भूलूँ मैं भूलूँ मैं

तुम्हें भूल जाने की

दक्षिण ध्रुवी अंधकार-अमावस्या

शरीर पर, चेहरे पर, अंतर में पा लूँ मैं

झेलूँ मैं, उसी में नहा लूँ मैं

इसलिए कि तुमसे ही परिवेष्टित आच्छादित

रहने का रमणीय यह उजेला अब

सहा नहीं जाता है।

नहीं सहा जाता है।

ममता के बादल की मँडराती कोमलता—

भीतर पिराती है

(क) कवि किससे परिवेष्टित आच्छादित है? [2]

(ख) 'दक्षिण ध्रुवी अंधकार-अमावस्या' से क्या आशय है? [2]

(ग) उपर्युक्त काव्यांश के शीर्षक एवं कवि का नाम लिखिए। [2]

प्रश्न-9 निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : [2+2=4]

मुझसे मिलने को कौन विकल ?
मैं होऊँ किसके हित चंचल ?
यह प्रश्न शिथिल करता पद को,
भरता उर में विह्वलता है !
दिन जल्दी-जल्दी ढलता है !

(क) काव्यांश का भाव-सौंदर्य अपने शब्दों में लिखिए।

(ख) काव्यांश का शिल्प-सौंदर्य लिखिए।

प्रश्न-10 (क) ''धूत कहौं अवधूत कहौं...'' छंद के आधार पर तुलसीदास के भक्त-हृदय की तीन विशेषताएँ लिखिए। [1×3=3]

(ख) बच्चों को कपास की तरह कोमल और उनके पैरों को 'बेचैन' क्यों कहा गया है ? 'पतंग' कविता के आधार पर उत्तर लिखिए। [3]

प्रश्न-11 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : [2+2+2=6]

''मेरा आदर्श-समाज स्वतंत्रता, समता, भ्रातृता पर आधारित होगा। क्या यह ठीक नहीं है, भ्रातृता अर्थात् भाई-चारे में किसी को क्या आपत्ति हो सकती है ? किसी भी आदर्श-समाज में इतनी गतिशीलता होनी चाहिए, जिससे कोई भी वांछित परिवर्तन समाज के एक छोर से दूसरे तक संचारित हो सके। ऐसे समाज के बहुविधि हितों में सबका भाग होना चाहिए तथा सबको उनकी रक्षा के प्रति सजग रहना चाहिए। सामाजिक जीवन में अबाध संपर्क के अनेक साधन व अवसर उपलब्ध रहने चाहिए। तात्पर्य यह है कि दूध-पानी के मिश्रण की तरह भाई-चारे का यही वास्तविक रूप है, और इसी का दूसरा नाम लोकतंत्र है। क्योंकि लोकतंत्र केवल शासन की पद्धति ही नहीं है, लोकतंत्र मूलत: सामूहिक जीवनचर्या की एक रीति तथा समाज के सम्मिलित अनुभवों के आदान-प्रदान का नाम है।''

(क) आदर्श समाज का आधार क्या है ?

(ख) एक आदर्श समाज के लिए क्या अपेक्षित है ?

(ग) दूध और पानी के मिश्रण का अर्थ बताइए।

प्रश्न-12 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(क) सामग्री और शैली किसके अंग हैं ? [1]

(ख) 'नमक' कहानी की मूल संवेदना पर अपने विचार लिखिए। [3]

(ग) लुट्टन पहलवान ने ऐसा क्यों कहा होगा कि मेरा गुरु कोई पहलवान नहीं, यही ढोल है ? लिखिए। [3]

(घ) लेखक ने अर्थशास्त्र को अनीतिशास्त्र क्यों कहा है ? कोई तीन तर्क लिखिए। [3]

प्रश्न-13 किन किन बातों को ध्यान में रखकर हम सिंधु घाटी सभ्यता को 'जल संस्कृति' कह सकते हैं ? किन्हीं चार बिन्दुओं में तर्क दीजिए। [1×4=4]

अथवा

'जूझ' कहानी के लेखक के जीवन-संघर्ष के उन चार बिन्दुओं पर प्रकाश डालिए, जो हमारे लिए प्रेरणादायक हैं।

प्रश्न-14 (क) 'सिल्वर वैडिंग' के आधार पर उन जीवन-मूल्यों की सोदाहरण समीक्षा कीजिए जो समय के साथ बदल रहे हैं। [4]

अथवा

'जूझ' कहानी के प्रमुख पात्र आनंदा के स्वभाव की चार विशेषताएँ लिखिए। [1×4=4]

(ख) 'अतीत में दबे पाँव' पाठ के आधार पर शीर्षक की सार्थकता सिद्ध कीजिए। [4]

अथवा

'सम हाउ इंप्रापर' वाक्यांश का प्रयोग यशोधर बाबू लगभग हर वाक्य के प्रारंभ में 'तकिया-कलाम' की तरह करते हैं। इस वाक्य का उनके व्यक्तित्व और कहानी के कथ्य से क्या संबंध बनता है ? लिखिए।